# बाबा मुक्तानन्द की सिखावनी

## ५

मन्त्र सत्य है, भगवान सत्य हैं, और अन्तरात्मा सत्य है। भगवान की पूजा सत्य है। श्रीगुरु का शब्द सत्य है। केवल परम सत्य ही विजय दिलाता है। नियमित ध्यान द्वारा जब एक दिन तुम्हें नीलबिन्दु के दर्शन होंगे, तब तुम्हें इस परम सत्य का पूर्ण बोध होगा और इसमें पूर्ण विश्वास होगा। फिर वह नीलबिन्दु विस्तृत होगा और उस प्रकाश में प्रथम तुम्हें भगवान के दर्शन होंगे, फिर अपने श्रीगुरु के, तदनन्तर तुम्हें स्वयं अपने दर्शन होंगे। तब तुम्हें विश्वास हो जाएगा कि ये तीनों पूर्णतः एक हैं।

~ बाबा मुक्तानन्द

स्वामी मुक्तानन्द, *From the Finite to the Infinite* [साउथ फ़ॉल्सबर्ग, न्यूयॉर्क : एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन, १९९४], पृष्ठ १६७।

© २०२३ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।